विषय – संस्कृत (स्नातक स्तर)

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित प्रस्तावित पाठ्यक्रम)

स्नातक प्रथम सेमेस्टर एवं द्वितीय सेमेस्टर हेतु संस्कृत विषय के प्रश्नपत्र 100 अंकों के होंगे, जिनमें 80 अंकों की लिखित परीक्षा होगी और आन्तरिक मूल्यांकन (सतत् व्यापक मूल्यांकन) 20 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन खंडों अ, ब और स में विभक्त होगा।

Programme Outcome

छात्रों में लेखन एवं वाचन में भाषागत कौशल का विकास होगा ।

भाषिक ज्ञान के साथ अभिव्यक्ति क्षमता का विकास होगा ।

प्राचीन भारतीय विद्या की जानकारीपूर्वक राष्ट्रगौरव की चेतना विकसित होगी ।

भारतीय सांस्कृतिक परम्परा से अवगत होकर विश्वमानवता के भाव में प्रतिष्ठित होंगे ।

नैतिक तथा मानवीय मूल्यों को आत्मसात् कर राष्ट्रोन्नति में एक सक्षम मानव संसाधन सिद्ध होंगे ।

Programme Specific Outcome

विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा संस्कृत के स्वर्णिम अतीत का अवबोध होगा ।

वर्तमान युग में संस्कृतभाषा की प्रासंगिकता का ज्ञान होगा ।

संस्कृतभाषा में रचित अनेक शास्त्रों के अनुशीलन से शास्त्रीय ज्ञान सह तर्कपूर्ण मौलिक चिन्तन की क्षमता निर्मित होगी ।

संस्कृत काव्य की विविध विधाओं से परिचय के फलस्वरूप भाषा मर्मज्ञता का विस्तार होगा ।

संस्कृत व्याकरण के अध्ययन से उच्चारण-लेखन की भाषिक दक्षता प्राप्त होगी ।
भारतीय मनीषा द्वारा विश्व को प्रदत्त ज्ञानावदान की जानकारी राष्ट्रगौरवानुभूतिपूर्वक मौलिक चिन्तन-सर्जन की प्रेरणा प्रदान करेगी ।

Course Outcome
प्राचीन नाट्य साहित्य के अनुशीलन से तत्कालीन समाज तथा लोक-व्यवहार एवं भाषा आदि का ज्ञान होगा । मानवीय जीवनमूल्य, संवेदनाओं तथा गुणों को आत्मसात् करने की प्रेरणा मिलेगी । विश्व स्वीकृत सर्वश्रेष्ठ व्याकरणशास्त्र की विशेषताओं से परिचय होगा । वर्णमाला की गहन जानकारीपूर्वक शब्दों के योग तथा विच्छेद का ज्ञान प्राप्त होगा । शब्दों के आधिकारिक ज्ञान के साथ संभाषण एवं लेखन में दक्षता प्राप्त होगी ।

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र - नाटक, व्याकरण और भाषाकौशल

PaperCode - BsanCT101

पूर्णांक– **80**

प्रस्तावित व्याख्यान **60** **4 Credits**

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान-संख्या
1.	**स्वप्नवासवदत्तम्** – प्रथम से पंचम अंक पर्यन्त । (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	15
2.	**संस्कृत संभाषण तथा लेखन –** (निम्नलिखित अनुसार शिक्षण केन्द्रित होगा ।) **सुबन्त (शब्दरूप)** - देव, गति, भानु, पितृ, करिन्, भवत्, कर्तृ, आत्मन्,लता, मति, नदी, मातृ, फल, सर्व, तद्, एतद्, यद्, इदम्, अस्मद्, युष्मद्, एक, द्वि, त्रि, चतुर् ।	15

	तिङन्त (धातुरूप) - **परस्मैपदी** - भू, पठ्, गम्, अस्, पा, स्था, दृश्, दा, कृ, तुद्, चुर्, दिव् । **आत्मनेपदी** - सेव्, रम्, रुच्, मुद्, लभ्, जन्, वृत्, वृध् । **अव्यय** - अत्र, यत्र, तत्र, कुत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, एकत्र, अधुना, इदानीम्, अद्य, श्वः, परश्वः, ह्यः, परह्यः, आम्, न, पुरतः, पृष्ठतः, वामतः, दक्षिणतः, उपरि, अधः, यदा, तदा, कदा, सदा, सर्वदा, किम्, कुतः, कति, किमर्थम्, अतः ।	
3.	**सन्धि** - अच्, हल् तथा विसर्ग सन्धि (लघुसिद्धान्तकौमुदी से अध्येतव्य))	15
4.	प्रत्याहार, संज्ञा और विभक्त्यर्थ प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी से अध्येतव्य)	15

अनुशंसितग्रन्थ –

1. स्वप्नवासवदत्तम् –श्री तारिणीश झा, प्रकाशक -रामनारायण बेनीमाधव, इलाहाबाद
2. स्वप्नवासवदत्तम्–वासुदेव कृष्ण चतुर्वेदी, प्रकाशक -महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
3. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी – डा. कपिलदेवद्विवेदी, प्रकाशक– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. रचनानुवादकौमुदी – डा. कपिलदेवद्विवेदी, प्रकाशक– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. अनुवाद चन्द्रिका – डा. यदुनन्दन मिश्र,प्रकाशक -चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली
6. संस्कृत मेंअनुवाद कैसे करें – उमाकान्तमिश्रशास्त्री, प्रकाशक - भारतीभवन
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्रीमहेशसिंहकुशवाहा, प्रकाशक – चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी – रामविलास चौधरी, प्रकाशक – मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
9. रूपचन्द्रिका – ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, प्रकाशक –चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
10. संस्कृतस्यव्यावहारिकस्वरूपम् – डा. नरेन्द्र, प्रकाशक -श्री अरविन्द आश्रम

मूल्यांकन योजना (अधिकतम अंक **100**)		
विश्वविद्यालयीन परीक्षा	पाँचों इकाई से पाठ्य-विषय अनुसार विकल्प सहित प्रश्न पूछे जायेंगे । **खण्ड अ - 16** **खण्ड ब - 16** **खण्ड स - 48**	80 अंक
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	पाठ्यक्रम सम्बन्धित–परियोजना /असाइनमेंट / पेपर प्रेजेटेशन / आवधिक परीक्षण 10 अंक संस्कृत संभाषण (मौखिकी) 10 अंक	20 अंक

Course Outcome
विश्व के प्राचीनतम, तथा भारत के ज्ञानागारभूत ग्रन्थऋग्वेद तथा अन्य वैदिक, पौराणिक साहित्य के अनुशीलन से प्राचीन ज्ञान-सम्पदा का बोध होगा । वैदिक साहित्य में प्रतिपादित विश्वबन्धुत्व, सर्वात्मभाव तथा समत्वचिन्तन के उच्च आदर्शों से मानवीय सद्गुणों का आधान एवं विकास होगा । उपदेशात्मक ग्रन्थ से नैतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान की लब्धि होगी । ज्ञानार्जन के साथ उच्चारण एवं भाषिक क्षमता में अभिवृद्धि होगी । आधुनिक युग की संस्कृत रचनाओं की जानकारी प्राप्त होगी ।

बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र - प्राचीन एवं आधुनिक साहित्य

PaperCode - BsanCT102

पूर्णांक - **80**

प्रस्तावित व्याख्यान **60** **4 Credits**

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान-संख्या
1.	**वैदिक साहित्य में विश्वबन्धुत्व, सर्वात्मभाव एवं समत्वचिन्तन** । ऋग्वेद, संज्ञानसूक्त(10.191) के मन्त्र सं. – 2,3,4 ऋग्वेद, पुरुषसूक्त का मन्त्र सं.– 2 ऋग्वेद, विश्वेदेवासःसूक्त (1.89) के मन्त्र सं. –6,8 यजुर्वेद 31 वें अध्याय का मन्त्र सं.- 19 यजुर्वेद 36 वें अध्याय का मन्त्र सं.– 18 कठोपनिषद् का शान्तिमन्त्र तथा द्वितीय अध्याय, द्वितीय वल्ली के श्लोक सं. – 9, 10, 12. मुण्डकोपनिषद् का श्लोक सं. 3.1.3 छान्दोग्योपनिषद् का श्लोक सं. 3.14.1	15
2.	**शुकनासोपदेश**– व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न	15

3.	**हितोपदेशः (मित्रलाभः)** – व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न	15
4.	**आधुनिक संस्कृत कवि-परिचय** – अप्पाशास्त्रीराशिवडेकर,पण्डिता क्षमा राव,जगन्नाथ पाठक, श्रीनिवासरथ, जानकीवल्लभ शास्त्री, वेंकटरामराघवन, अभिराजराजेन्द्र मिश्र, डा. राधावल्लभ त्रिपाठी, हर्षदेव माधव, डा. रेवा प्रसाद द्विवेदी, डा.पुष्पा दीक्षित,डा. कामता प्रसाद त्रिपाठी.	15

अनुशंसितग्रन्थ –

1. ऋक्सूक्तसंग्रह – तारिणीश झा, प्रकाशक – प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
2. ऋग्वेदसंहिता - श्रीमन्मोक्षमूलर भट्ट, प्रकाशक –कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
3. शुक्लयजुर्वेद संहिता - श्रीरामकृष्ण शास्त्री, प्रकाशक –चौखम्बा विद्याभवन वारासी
4. पुराण-विमर्श – आचार्यबलदेव उपाध्याय, प्रकाशक–चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
5. वैदिकसाहित्यस्येतिहासः – डा. राजधर मिश्रः, प्रकाशक–श्याम प्रकाशन, जयपुर
6. वैदिकसाहित्य और संस्कृति – आचार्यबलदेव उपाध्याय, प्रकाशक– शारदा मन्दिर, काशी
7. वैदिकसाहित्य और संस्कृति – वाचस्पति गैरोला, प्रकाशक -चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी
8. संस्कृत साहित्य का इतिहास–आचार्यबलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
9. संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास– डा. कपिलदेव द्विवेदी
10. कठोपनिषद्, प्रकाशक -गीताप्रेस, गोरखपुर
11. माण्डूक्योपनिषद्, प्रकाशक -गीताप्रेस, गोरखपुर
12. छान्दोग्योपनिषद्, प्रकाशक -गीताप्रेस, गोरखपुर
13. शुकनासोपदेश – प्रकाशक–मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
14. हितोपदेश (मित्रलाभ) - प्रकाशक–मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
15. हितोपदेश (मित्रलाभ) -आचार्य श्रीशेषराज शर्मा रेग्गमी,प्रकाशक – चौखम्बासुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
16. हितोपदेश- नारायणराम आचार्य तीर्थ, प्रकाशक -चौखम्बाविद्याभवन,वाराणसी
17. नवस्पन्द सम्पादक – डा. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रकाशक - मध्यप्रदेश हिन्दी **ग्रन्थ अकादमी, भोपाल**

मूल्यांकन योजना	**(अधिकतम अंक 100)**	
विश्वविद्यालयीन परीक्षा	पाँचों इकाई से पाठ्य-विषय अनुसार विकल्प सहित प्रश्न पूछे जायेंगे । **खण्ड अ - 16** **खण्ड ब - 16** **खण्ड स - 48**	80 अंक
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	पाठ्यक्रम सम्बन्धित–परियोजना /असाइनमेंट / पेपर प्रेजेटेशन / आवधिक परीक्षण 10 अंक संस्कृत संभाषण (मौखिकी) 10 अंक	20 अंक

Course Outcome
काव्य के दृश्य-श्रव्य आदि भेदोपभेदों का सम्यक् ज्ञान होगा । विभिन्न ऐतिहासिक वृत्तों की जानकारी प्राप्त होगी । पाठ्यविषय से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से सुपरिचित हो सकेंगे । नैतिक चिन्तन की क्षमता में अभिवृद्धि होगी और चारित्र्य-विकास होगा । भारतीय मनीषी तत्त्व-चिन्तकों द्वारा ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में विश्व को प्रदत्त अभूतपूर्व अवदान की जानकारी मिलेगी ।

बी.ए. तृतीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र - नाटक, अभिनयकला तथा व्याकरण

Paper Code - BsanCT103

पूर्णांक - **80**

प्रस्तावित व्याख्यान 60 **4 Credits**

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान-संख्या
1	**नागानन्दनाटकम्** अंक – 1,2,3,4 और 5 पर्यन्त (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	15
2	**नाट्यविद्या और रंगकर्म** - नाट्य-लक्षण, चतुर्विध अभिनय, कथावस्तु– मुख्य-गौण, रस-प्रकार, नायक-नायिका-भेद । **नाट्यशास्त्रीय परिभाषाएँ** – नान्दी, सूत्रधार, नेपथ्य, प्रस्तावना, स्वगत, प्रकाश, जनान्तिक, अपवारित, कंचुकी, विदूषक, भरतवाक्य ।	15
3	**समास प्रकरण** (लघुसिद्धान्तकौमुदी)	15
4	**वाच्यभेद** – कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य	15

अनुशंसितग्रन्थ –

1. नागानन्दनाटक – हर्षवर्धन, प्रकाशक – चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी

2. दशरूपकम् - डा. रमाशंकर त्रिपाठी, प्रकाशक – विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्रीमहेशसिंहकुशवाहा, प्रकाशक – चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी
4. रचनानुवादकौमुदी – डा. कपिलदेवद्विवेदी, प्रकाशक– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. अनुवाद चन्द्रिका – डा. यदुनन्दन मिश्र, प्रकाशक -चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली

मूल्यांकन योजना	**(अधिकतम अंक 100)**	
विश्वविद्यालयीन परीक्षा	**पाँचों इकाई से पाठ्य-विषय अनुसार विकल्प सहित प्रश्न पूछे जायेंगे ।** **खण्ड अ - 16** **खण्ड ब - 16** **खण्ड स - 48**	**80 अंक**
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	**पाठ्यक्रम सम्बन्धित–परियोजना /असाइनमेंट / पेपर प्रेजेटेशन /** **आवधिक परीक्षण 10 अंक** **संस्कृत संभाषण (मौखिकी) 10 अंक**	**20 अंक**

Course Outcome

काव्य के दृश्य-श्रव्य आदि भेदोपभेदों का सम्यक् ज्ञान होगा ।

विभिन्न ऐतिहासिक वृत्तों की जानकारी प्राप्त होगी ।

पाठ्यविषय से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से सुपरिचित हो सकेंगे ।

नैतिक चिन्तन की क्षमता में अभिवृद्धि होगी और चारित्र्य-विकास होगा ।

भारतीय मनीषी तत्त्व-चिन्तकों द्वारा ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में विश्व को प्रदत्त अभूतपूर्व अवदान की जानकारी मिलेगी ।

बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र - काव्य, साहित्येतिहास तथा तत्त्वचिन्तक

Paper Code – BsanCT104

		पूर्णांक– **80**
प्रस्तावित व्याख्यान 60	**4 Credits**	
इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान-संख्या
1	**रघुवंशमहाकाव्यम्** (द्वितीय सर्गः) श्लोक 1 से 75 तक (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	15
2	**नीतिशतकम्** (भर्तृहरिकृत) श्लोक 1 से 50 तक (दो श्लोकों की व्याख्या)	15
3	**नाटक** - अभिज्ञानशाकुन्तल, उत्तररामचरित, वेणीसंहार, मुद्राराक्षस, मृच्छकटिक । **महाकाव्य**- रघुवंश, कुमारसंभव, बुद्धचरित, सौन्दरनन्द, किरातार्जुनीय, भट्टिकाव्य, जानकीहरण, शिशुपालवध, नैषधीयचरित, हरविजय, नवसाहसांकचरित, विक्रमांकदेवचरित । **गद्यकाव्य** -वासवदत्ता, दशकुमारचरित, कादम्बरी, हर्षचरित, शिवराजविजय । **खण्डकाव्य** (गीतिकाव्य एवं मुक्तक) - शतकत्रय (भर्तृहरि), ऋतुसंहार, मेघदूत, अमरुकशतक, गीतगोविन्द, भामिनीविलास, पंचलहरी । **चम्पूकाव्य -** नलचम्पू, रामायणचम्पू, भारतचम्पू, **कथासाहित्य** – पंचतंत्र, हितोपदेश, बेतालपंचविंशति, शुकसप्तति, कथासरित्सागर,बृहत्कथामंजरी । (उल्लिखितकृतियोंकेरचनाकारोंकासामान्यपरिचयअपेक्षितहै।)	15
4	**भारतीय तत्वचिन्तक** – महर्षि यास्क, आचार्य शंकर, आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, बोधायन, नागार्जुन, भारद्वाज, कौटिल्य, पाणिनि, कणाद,पतंजलि, चरक, सुश्रुत ।	15

अनुशंसितग्रन्थ –

1. रघुवंशमहाकाव्य – कालिदास, प्रकाशक – मोतीलाल बनारसीदास
2. नीतिशतकम् – स्वामी प्रखर प्रज्ञानन्द सरस्वती, प्रकाशक – चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
3. संस्कृतसाहित्य का इतिहास–आचार्यबलदेव उपाध्याय, प्रकाशक –शारदा मन्दिर, काशी

4. संस्कृतसाहित्यकासमीक्षात्मक इतिहास– डा. कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक –रामनारायणलाल विजय कुमार, इलाहाबाद
5. संस्कृतसाहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला, प्रकाशक –चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

मूल्यांकन योजना	**(अधिकतम अंक 100)**	
विश्वविद्यालयीन परीक्षा	पाँचों इकाई से पाठ्य-विषय अनुसार विकल्प सहित प्रश्न पूछे जायेंगे । **खण्ड अ - 16** **खण्ड ब - 16** **खण्ड स - 48**	**80** अंक
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	पाठ्यक्रम सम्बन्धित–परियोजना /असाइनमेंट / पेपर प्रेजेटेशन / आवधिक परीक्षण 10 अंक संस्कृत संभाषण (मौखिकी) 10 अंक	**20** अंक

Course Learning Outcomes (CLO)

1.व्याख्यान और चर्चाओं के माध्यम से, यह पाठ्यक्रम छात्रों को आयुर्वेद के सिद्धांत से परिचित कराएगा।

2.प्रमुख उद्देश्य निवारक दवा और स्वास्थ्य रखरखाव, आहार और पोषण परिचय प्रदान करना है।

3.आयुर्वेद में आयुर्वेदिक चिकित्सीय प्रक्रियाओं की रूपरेखा के मूल सिद्धांतों और अवधारणाओं को समझ है।

4.भोजन की आदतें, आहार, निवारक दवा और उनके आसपास उपलब्ध औषधीय पौधे का ज्ञान मिलता है।

बी. ए. द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र - आयुर्वेद के मूल सिद्धान्त

(मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम)

Paper Code – BASanVAC-T

पूर्णांक . 60

प्रस्तावित व्याख्यान 40 **2 Credits**

पाठ्यविषय

आयुर्वेद का परिचय: आयुर्वेद की परिभाषा और उद्देश्य, आयुर्वेद का इतिहास।

आयुर्वेद के मूल सिद्धांत

1. त्रिगुण: सत्व, रजस और तामस।

2. पंचमहाभूत: आकाश (अंतरिक्ष), वायु, तेज या अग्नि, जल और पृथ्वी।

	3. त्रिदोष : वात, पित्त और कफ। चरक संहिता का सामान्य अध्ययन – सुश्रुत- संहिता का सामान्य अध्ययन - आयुर्वेद के प्रमुख आचार्य - चरक, सुश्रुत, धन्वंतरि, पुनर्वसु, वाग्भट्ट, और भावमिश्र. चरकसंहिता - (सूत्र-स्थानम): **ऋतुचर्या –** फॉल विंटर (हेमंत), विंटर (शिशिर) और स्प्रिंग (वसंत) सीजन के रेजिमेन। ग्रीष्म (ग्रीष्म), वर्षा (वर्षा) और शरद ऋतु (शारदा) ऋतुओं की व्यवस्था। सुश्रुत संहिता में महत्वपूर्ण औषधीय पौधे : तुलसी, हरिद्रा, सर्पगंधा, घृतकुमारी, ब्राह्मी, आमला, अश्वगंधा, अर्जुन, नीम, पुदीना ।	

अनुशंसितग्रन्थ –

1. **ब्रह्मानंद त्रिपाठी (संपा.), चरकसंहिता, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।**
2. **चरक संहिता, गीता प्रेस, वाराणसी**
3. **अत्रिदेव विद्यालंकार, आयुर्वेद का बृहद इतिहास।**
4. **वी. नारायणस्वामी, आयुर्वेद की उत्पत्ति और विकास (एक संक्षिप्त इतिहास),**

   जीवन का प्राचीन विज्ञान,
6. **वॉल्यूम। 1, अंक 1, जुलाई 1981, पृष्ठ 1-7।**

मूल्यांकन योजना		अधिकतम अंक- 60
विश्वविद्यालयीन परीक्षा	पाठ्य-विषय अनुसार विकल्प सहित प्रश्न पूछे जायेंगे ।	**40** अंक
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	**पाठ्यक्रम सम्बन्धित–परियोजना /असाइनमेंट / पेपर प्रेजेटेशन /** **आवधिक परीक्षण** **10 अंक** **मौखिकी** **10 अंक**	**20 अंक**

B.A. FIRST SEM NEP 2023-24

Generic Elective Course

Basic Sanskrit

क्रेडिट-04 पूर्णांक - 80

Unit 1 - वर्णमाला परिचय - माहेश्वर सूत्र, स्वर, व्यंजन, सन्धि नियम

Unit 2 - शब्दरूप, धातुरूप, अव्यय, संख्या, समय

Unit 3 - विभक्ति प्रयोग, वाक्य रचना, मुहावरे

फलों, सब्जियों, फूलों, अंगों, रंगों और रिश्तों के संस्कृत में नाम,

विलोम शब्द, आत्मपरिचय, दिनचर्या

Unit 4 - संस्कृत सामान्य ज्ञान -

प्रमुख संस्कृत ग्रन्थ एवं कवि,

विभिन्न संस्थानों के प्रमुख संस्कृत ध्येय वाक्य।

प्रमुख संस्कृत वैज्ञानिकों का परिचय

संदर्भ ग्रन्थ सूची -

1. अनुवाद चन्द्रिका - आचार्य चक्रधर नौटियाल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. रचनानुवादकौमुदी - डाॅ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. सहजबोधव्याकरण - डाॅ. पुष्पा दीक्षित, पाणिनीय शोध संस्थान, बिलासपुर

13.07.2023

B.A. III SEMESTER NEP 2023-24

DISCIPLINE SPECIFIC COURSE

कवि एवं काव्य

क्रेडिट - 04 **पूर्णांक - 80**

इकाई 1 महाकवि कालिदास - परिचय, जीवन दर्शन एवं साहित्य में स्थान

खण्डकाव्य और महाकाव्य

. 1 ऋतुसंहारम् तथा मेघदूतम्

2 कुमारसंभवम् तथा रघुवंशमकाव्यम्

(ग्रन्थ परिचय एवं काव्यगत वैशिष्ट्य)

इकाई 2 महाकवि भारवि - जीवन परिचय, ग्रन्थ परिचय एवं काव्यगत वैशिष्ट्य

इकाई 3 महाकवि माघ - जीवन परिचय, ग्रन्थ परिचय एवं काव्यगत वैशिष्ट्य

इकाई 4 महाकवि श्रीहर्ष - जीवन परिचय, ग्रन्थ परिचय एवं काव्यगत वैशिष्ट्य

संदर्भ ग्रन्थ:-

1 कालिदास एक अनुशीलन - श्री देवदत्त शास्त्री, चैखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

2 नाटककार कालिदास - डा. राकेश शास्त्री, चैखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली

3 कालिदास ग्रन्थावली - सं. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चैखम्बा सुरभारती प्रकाशन,वाराणसी

13.07.2023

B.A. IV SEMESTER NEP 2023-24

DISCIPLINE SPECIFIC COURSE

नाटक एवं नाटककार

क्रेडिट - 04 **पूर्णांक - 80**

इकाई 1 महाकवि भास - नाट्य ग्रन्थ: - प्रतिमा, अभिषेक, मध्यम व्यायोग,कर्णभार ,पंचरात्र, उरुभंग, बालचरित, दूतवाक्य, दूतघटोत्कच, प्रतिज्ञा यौगन्धरायण, स्वप्नवासवदत्तम्, अविमारक तथा दरिद्रचारुदत्त।

(ग्रन्थ परिचय एवं काव्यगत वैशिष्ट्य)

इकाई 2 महाकवि कालिदास - नाट्यग्रन्थ: विक्रमोर्वशीयम् ,मालविकाग्निमित्रम् तथा अभिज्ञानशाकुन्तलम्।

(ग्रन्थ परिचय एवं काव्यगत वैशिष्ट्य)

इकाई 3 महाकवि भवभूति - नाट्यग्रन्थ: मालतीमाधवम् ,महावीरचरितम् तथा उत्तररामचरितम्

(ग्रन्थ परिचय एवं काव्यगत वैशिष्ट्य)

इकाई 4 महाकवि शूद्रक - नाट्यग्रन्थ: मृच्छकटिकम्

(ग्रन्थ परिचय एवं काव्यगत वैशिष्ट्य)

संदर्भ ग्रन्थ:-

1 **संस्कृत के कवि - श्री देवदत्त शास्त्री, चैखम्बा विद्याभवन, वाराणसी**

2 **महाकवि भारवि: एक अनुशीलन - डा. राकेश शास्त्री, चैखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली**

3 **कालिदास ग्रन्थावली - सं. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चैखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी**

4 **संस्कृत साहित्य का इतिहास - बलदेव उपाध्याय, चैखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी**

13.07.2023